

स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार)

प्रथमसत्र

कौशल विकास पाठ्यक्रम

पञ्चमहायज्ञ-I

पूर्णाङ्क -50

पेपर कोड BPM-Q101

लिखित परीक्षा -30

सत्रीय मूल्यांकन-20

सकल-अर्जिताधिभार 02

**पाठ्यक्रम उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को समाज एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक तथा संस्कारित करना है। एतर्था इस पाठ्यक्रम में पञ्च महायज्ञ को समाविष्ट किया गया है।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम**

- CO1 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप से परिचित होंगे।
- CO2 छात्र संस्कारवान् बनेंगे तथा व्यक्तित्व विकास होगा।
- CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
- CO4 छात्र पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे।

**प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि**

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेंट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

**इकाई:1 यज्ञ का स्वरूप एवं प्रकार**

**इकाई:2 यज्ञ का महत्त्व**

- (क) भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति
- (ख) पर्यावरण शुद्धि
- (ग) संगठन की भावना का विकास
- (घ) त्याग की भावना का विकास
- (ङ) कर्मशोधन
- (च) यज्ञ का अधिकारी

**इकाई:3 ब्रह्मयज्ञ का स्वरूप**

- (क) इन्द्रिय अनुष्ठान
- (ख) मानसिक अनुष्ठान
- (ग) बुद्धिगत अनुष्ठान
- (घ) चित्त का अनुष्ठान
- (ङ) अहंकार निवारण
- (च) जप एवं उपासना का स्वरूप

**इकाई:4 ब्रह्मयज्ञ की विधि एवं महत्त्व**

- (क) स्वाध्याय एवं सन्ध्या
- (ख) पुरुषार्थचतुष्टय की सिद्धि
- (ग) व्यक्तित्व विकास
- (घ) आध्यात्मिक उन्नति

**इकाई:5 प्रायोगिक एवं मौखिकी**

संस्तुत ग्रन्थ

1. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ
3. आर्योद्देश्य रत्नमाला
4. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती
5. सन्ध्यायोग ब्रह्मसाक्षात्कार, पण्डित जगन्नाथ पथिक
6. सन्ध्या पद्धति मीमांसा, आचार्य विश्वश्रवा
7. सत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानन्द सरस्वती
8. गोकर्णानिधि, स्वामी दयानन्द सरस्वती